



Ch
1/8/85

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 125]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 25, 1985/चैत्र 4, 1907

No. 125]

NEW DELHI, MONDAY, MARCH 25, 1985/CHAITRA 4, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 25 मार्च, 1985

अधिसूचना

सं. 100/85-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा. का. नि. 298(अ) :—केन्द्रीय सरकार, अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) और वित्त विभेयक, 1985 के खण्ड 47 के उपखण्ड (4) जो खण्ड अनन्तिम कर संग्रहण अधिनियम, 1931 (1931 का 16) के अधीन उक्त विभेयक में को गई घोषणा के आधार पर विधि का बल रखता है, के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे सारणी के संभं (1) में विनिर्दिष्ट वर्णन की ओर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद सं. 4 को उपमद सं. 11 (2) के अन्तर्गत आने वाली सिपरेटों को, उक्त अधिनियमों के अधीन उद्ग्रहणीय विशेष उत्पाद शुल्क से जितना उक्त सारणी के संभं (2) की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट दर से संगणित रकम से अधिक है, छूट देती है :

परन्तु यह कि इस प्रकार उद्ग्रहणीय शुल्क को रकम क्रमशः केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन उद्ग्रहणीय शुल्क, वित्त विभेयक, 1985 के खण्ड 47 के उपखण्ड (1) और अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) के अधीन उद्ग्रहणीय विशेष उत्पाद शुल्क के बीच 1-82 : 0-18 : 1-00 के अनुपात में प्रभाजित की जाएगी।

सारणी

वर्णन	दर
(1)	(2)
सिपरेट (जो पैकेजों में पेक की गई सिपरेट हैं) जिनकी प्रति एक हजार समायोजित विक्रय कीमत—	
(1) पचास रुपए से अधिक नहीं है	पैतीस रुपए प्रति एक हजार;
(2) पचास रुपए से अधिक है, किन्तु साठ रुपए से अधिक नहीं है।	पैतीस रुपए प्रति एक हजार ब्ल्यून पचास रुपए से अधिक समायोजित विक्रय कीमत में पांच रुपए या उसके भाग की प्रत्येक वृद्धि के लिए तीन रुपए पचास पैसे प्रति एक हजार;

(1)	(2)
(3) साठ रुपए से अधिक है, किन्तु तीन सौ रुपए से अधिक नहीं हैं।	बाबन रुपए प्रति एक हजार धन साठ रुपए से अधिक समायोजित विक्रय कीमत में पांच रुपया या उसके भाग की प्रत्येक वृद्धि के लिए तीन रुपए पचहत्तर पैसे प्रति एक हजार;
(4) तीन सौ रुपए से अधिक है, किन्तु पांच सौ रुपए से अधिक नहीं हैं।	दो सौ बत्तीस रुपए प्रति एक हजार धन तीन सौ रुपए से अधिक समायोजित विक्रय कीमत में पांच रुपए या उसके भाग की प्रत्येक वृद्धि के लिए तीन रुपए अस्ती पैसे प्रति एक हजार; और
(5) पांच सौ रुपए से अधिक हैं।	तीन सौ चौरासी रुपए प्रति एक हजार धन पांच सौ रुपए से अधिक समायोजित विक्रय कीमत में पांच रुपए या उसके भाग की प्रत्येक वृद्धि के लिए चार रुपए प्रति एक हजार।

स्पष्टीकरण :—इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए,—

(1) सिगरेटों के किसी पैकेज में अन्तविष्ट प्रत्येक सिगरेट के संबंध में, "समायोजित विक्रय कीमत" से ऐसी यूनिट कीमत अभिप्रेत है जो ऐसे पैकेज की विक्रय कीमत को ऐसे पैकेज में की सिगरेटों की संख्या से विभाजित करके आएः

परन्तु ऐसी सिगरेटों की दशा में जिनकी सत्तर रुपए प्रति हजार वे अधिक की विक्रय कीमत हैं, सिगरेट के पैकेजों में अन्तविष्ट प्रत्येक सिगरेट के संबंध में समायोजित विक्रय कीमत जहां ऐसे पैकेज की विक्रय कीमत इस अधिसूचना के जारी किए जाने के पश्चात् नियत की गई है, और—

(क) ऐसी विक्रय कीमत ऐसी तारीख के ठीक पूर्व विक्रीत उसी प्रकार के पैकेज की विक्रय कीमत से अधिक है; या

(ख) ऐसे पैकेजों को ऐसी तारीख के पश्चात् केवल पहली बार फुटकर विक्रय के लिए पैक किया गया है, से यूनिट कीमत अभिप्रेत है जो निम्न प्रकार आएः—

(1) खण्ड (क) के अन्तर्गत आने वाले मामले में, विक्रय कीमत को उतनी रकम से जो ऐसे आधिक्य के बराबर है या दस रुपए प्रति हजार की दर पर संगणित रकम से, इन दोनों में से जो भी कम हो, घटाकर आए और जो इस प्रकार कम की गई ऐसे पैकेजों के विक्रय मूल्य को ऐसे पैकेज में सिगरेटों की संख्या से विभाजित करके आए; और

(2) खण्ड (ख) के अन्तर्गत आने वाले मामले में, ऐसे पैकेज की विक्रय कीमत दस रुपए प्रति हजार की दर से संगणित रकम द्वारा कम करके और इस प्रकार कम की गई ऐसे पैकेज की विक्रय कीमत की ऐसे पैकेज में की सिगरेटों की संख्या से विभाजित करके आएः

परन्तु यह और कि जहां सिगरेटों को पैकेजों में पैक किया जाता है (जहां उनमें सिगरेटों को वही संख्या अन्तविष्ट हो या नहीं) किन्तु इस स्पष्टीकरण के पूर्वगामी उपबंधों के अनुसार निकाली गई विभिन्न पैकेजों में सिगरेटों की यूनिट कीमत समान नहीं है, वहां ऐसे प्रत्येक पैकेज में प्रत्येक सिगरेट के संबंध में समायोजित विक्रय कीमत ऐसी कीमत की उच्चतम होती है;

(2) "पैकेजों में पैक की गई सिगरेट" से ऐसी सिगरेट अभिप्रेत है, जो फुटकर विक्रय के लिए ऐसे पैकेजों में पैक की जाती है जिसमें—

(क) 10 या 20 सिगरेट हैं, और

(ख) ऐसी घोषणा है जिसमें ऐसी घोषणा में विनिर्दिष्ट रकम के रूप में उनकी अधिकतम विक्रय कीमत धन के बत्त स्थानीय कर विनिर्दिष्ट किए गए हों;

(3) पिंपरेटों के किसी पैकेज के संबंध में "विक्रय कीमत" से ऐसी अधिकतम कीमत (जिसमें केवल स्थानीय कर मिमिलित नहीं है) अभिप्रेत है जिस पर ऐसे पैकेजों का, ऐसे पैकेज पर को गई घोषणा के अनुसार विक्रय किया जा सकेगा।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 25th March, 1985

NOTIFICATION

No. 100/85—CENTRAL EXCISES

G.S.R. 298 (E):—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) and sub-clause (4) of clause 47 of the Finance Bill, 1985 which clause has, by virtue of the declaration made in the said Bill under the Provisional Collection of Taxes Act, 1931 (16 of 1931), the force of law, the Central Government hereby exempts cigarettes of the description specified in column (1) of the Table below and falling under sub-item II (2) of Item No. 4 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) from so much of the duties of excise leviable under the said Acts and the special duty of excise leviable under sub-clause (1) of clause 47 of the Finance Bill, 1985 and the duty leviable under the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) respectively at the rate specified in corresponding entry in column (2) of the said Table:

Provided that the amount of duty so levied shall be apportioned in the ratio of 1.82 : 0.18 : 1.00 between the duty leviable under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the special duty of excise leviable under sub-clause (1) of clause 47 of the Finance Bill, 1985 and the duty leviable under the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), respectively.

THE TABLE

Description	Rate
(1)	(2)
Cigarettes (being cigarettes packed in packages) of which the adjusted sale price per one thousand—	
(i) does not exceed rupees fifty	Thirty-five rupees per one thousand;
(ii) exceeds rupees fifty but does not exceed rupees sixty	Thirty-five rupees per one thousand plus three rupees and fifty paise per one thousand for every increase of rupees five or fraction thereof in the adjusted sale price in excess of rupees fifty;
(iii) exceeds rupees sixty but does not exceed rupees three hundred	Fifty-two rupees per one thousand plus three rupees and seventy-five paise per one thousand for every increase of rupees five or fraction thereof in the adjusted sale price in excess of rupees sixty;

(1)	(2)
(iv) exceeds rupees three hundred but does not exceed rupees five hundred	Two hundred and thirty-two rupees per one thousand plus three rupees and eighty paise per one thousand for every increase of rupees five or fraction thereof in the adjusted sale price in excess of rupees three hundred ; and
(v) exceeds rupees five hundred	Three hundred and eighty four rupees per one thousand plus four rupees per one thousand for every increase of rupees five or fraction thereof in the adjusted sale price in excess of rupees five hundred.

Explanation:—For the purposes of this notification,—

(1) “adjusted sale price”, in relation to each cigarette contained in a package of cigarettes, means the unit price arrived at by dividing the sale price of such package by the number of cigarettes in such package:

Provided that in the case of cigarettes having a sale price exceeding rupees seventy per thousand, the adjusted sale price in relation to each cigarette contained in a package of cigarettes shall, where the sale price of such package is fixed after the date of issue of this notification, and,—

(a) such sale price is in excess of the sale price of a like package as sold immediately before such date; or

(b) Such pack g.s are packed for retail sale for the first time only after such date,

mean, the unit price arrived at,—

(i) in a case falling under clause (a) by reducing the sale price by an amount equal to such excess or an amount calculated at the rate of rupees ten per thousand, whichever is less, and by dividing the sale price of such package as so reduced by the number of cigarettes in such package; and

(ii) in a case falling under clause (b), by reducing the sale price of such package by an amount calculated at the rate of rupees ten per thousand, and by dividing the sale price of such package as so reduced by the number of cigarettes in such package:

Provided further that where the cigarettes are packed in packages (whether or not containing the same number of cigarettes) but the unit prices of the cigarettes in different packages as arrived at in accordance with the foregoing provisions of this Explanation are not the same, the adjusted sale price in relation to each cigarette in every such package shall be the highest of such prices;

(2) “cigarettes packed in packages”, means cigarettes which are packed for retail sale, in packages which—

(a) contain 10 or 20 cigarettes, and

(b) bear a declaration specifying the maximum sale price thereof as the amount specified in the declaration, plus local taxes only;

(3) “sale price”, in relation to a package of cigarettes, means the maximum price (exclusive of local taxes only) at which such packages may be sold in accordance with the declaration made on such package.

सं. 101/85—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा. का. नि. 299(अ) :—केन्द्रीय सरकार, अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची के मद सं. 4 की उपमद II (3) (ii) के अन्तर्गत आने वाली वीड़ियों को, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) और अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) दोनों के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय उत्पाद शुल्क से, जितना 3-60 रुपए प्रति हजार की वर से संगणित रकम से अधिक है, छूट देती है :

परन्तु यह ग्रोर कि इस प्रकार उद्ग्रहणीय शुल्क की रकम, कमशः केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) और अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) के अधीन उद्ग्रहणीय शुल्क के बीच 75:25 के अनुपात में प्रभाजित की जाएगी।

[फा. सं. 334/1/85—टी आर यू]
के. एस. वेंकटगिरी, अवर सचिव

No. 101/85—CENTRAL EXCISES

G.S.R. 299(E):—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government hereby exempts birs, falling under sub-item II (3) (ii) of Item No. 4 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon both under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) as is in excess of the amount calculated at the rate of Rs. 3.60 per one thousand :

Provided that the amount of duty so levied shall be apportioned in ratio of 75:25 between the duty leviable under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), and the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), respectively.

[F. No. 334/1/85—TRU]
K. S. VENKATAGIRI, Under Secy.

सं. 102/85—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा. का. नि. 300(अ) :—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 33/85—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 17 मार्च, 1985 को विर्वादित करती है।

[फा. सं. 334/1/85—टी आर यू]
गौतम रे, अवर सचिव

No. 102/85—CENTRAL EXCISES

G.S.R. 300 (E):—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby rescinds the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 33/85—Central Excises, dated the 17th March 1985.

[F. NO. 334/1/85—TRU]
GAUTAM RAY, Under Secy.

मं. 103/85—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा. का. नि. 301(अ) :—केन्द्रीय सरकार, अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की निम्नलिखित अधिसूचनाओं को विखंडित करती है, अर्थात्:—

1. मं. 211/83—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 4 अगस्त, 1983।
2. मं. 34/85—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 17 मार्च, 1985।

No. 103/85—CENTRAL EXCISES

G.S.R. 301 (E):—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government hereby rescinds the following notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), namely:—

1. No. 211/83—Central Excises, dated the 4th August, 1983.
2. No. 34/85—Central Excises, dated the 17th March, 1985.

मं. 104/85—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा. का. नि. 302(अ) :—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना मं. 234/82—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तारीख 1 नवम्बर, 1982 में निम्नलिखित और मंशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना से उपावद अनुसूची में,—

- (1) क्रम मं. 14 और उससे संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित क्रम मं. और प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्:—
“14. कृषि उपस्कर और उसके पुर्जे”;
- (2) क्रम मं. 54 और उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित क्रम मं. और प्रविष्टि अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात्:—
“55. क्रूट उपस्कर, अयनि, उपमायित, क्रूट खाद्य मिश्रण और क्रूट खाद्य सान।”

[फा. मं. 334/1/85—टी आर यू]

के. एस. वेंकटगिरी, अवर सचिव

No. 104/85—CENTRAL EXCISES

G.S.R. 302 (E):—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 234/82—Central Excises, dated the 1st November, 1982, namely:—

In the Schedule annexed to the said notification,—

- (i) for S.No. 14 and the entry relating thereto, the following S.No. and entry shall be substituted, namely:—
“14. Agricultural implements and parts thereof.”;

(ii) after S.No. 54 and the entry relating thereto, the following S.No. and entry shall be inserted, namely:—

“55. Poultry equipment, namely incubators, poultry feed mixers and poultry feed grinders.”

[F.NO. 334/1/85—TRU]
K.S. VENKATAGIRI, Under Secy.

मं. 105/85—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा. का. नि. 303(अ) :—केन्द्रीय सरकार, वित्त विवेयक, 1985 के खंड 47 के उपखंड (4) जो खंड अनंतिम कर संप्रहण अधिनियम, 1931 (1931 का 16) के अधीन उक्त विवेयक में की गई घोषणा के आधार पर विधि का बल रखता है, के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना मं. 90/85—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 17 मार्च, 1985 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में उपावद मार्गी में स्तंभ (2) में,—

- (क) क्रम मं. 1 के सामने “4”, अंक के स्थान पर “4II (1), 4 II (4), 4 II (5), 4 II (6), 4 II (7),” अंक और कोष्ठक रखी जाएंगे;
- (ख) क्रम मं. 2 के सामने, “2”, अंक के पश्चात् “4 II (3),” अंक और कोष्ठक अंतःस्थापित किए जाएंगे।

[फा. मं. 334/1/85—टी आर यू]

गौतम रे, अवर सचिव

No. 105/85—CENTRAL EXCISES

G.S.R. 303 (E):—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-clause (4) of clause 47 of the Finance Bill, 1985, which clause has, by virtue of the declaration made in the said Bill under the Provisional Collection of Taxes Act, 1931 (16 of 1931), the force of law, the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 90/85—Central Excises, dated the 17th March, 1985, namely :—

In the Table annexed to the said notification, in column (2),—

- (a) against Sl. No. 1, for the figure “4”, the figures and brackets “4II(1), 4II(4), 4II(5), 4II(6), 4II(7),” shall be substituted;
- (b) against Sl. No. 2, after the figure “2,” the figures and brackets “4II(3),” shall be inserted.

[F.NO. 334/1/85—TRU]
GAUTAM RAY, Under Secy.